Paper - VI

MT

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - II - PAPER - VI

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए

1) i) **कृति पूर्ण कीजिए।** **1**

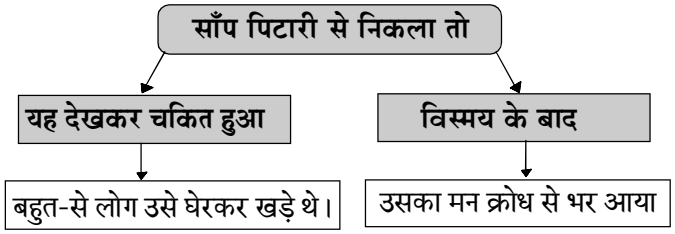

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

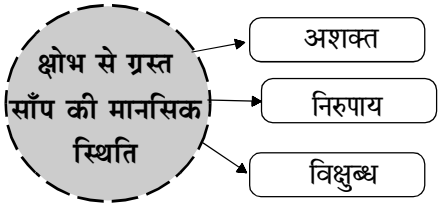

2) **निम्नलिखित शब्दों का वर्गीकरण कीजिए ।** **2**

उपसर्गों से बने शब्द	प्रत्ययों से बने शब्द
i) अशक्त	i) तेजस्विता
ii) निरुपाय	ii) तमाशाई

3) मनुष्य ही नहीं समस्त जीव-जन्तुओं को अपनी स्वतंत्रता प्यारी है। पंछी को चाहे सोने के पिजड़े में बंद कर, खूब दाने और पानी की व्यवस्था कर दो मौका मिलते ही वह उड़ जाएगा। शेर शिकार के लिए जंगल में इधर-उधर भटकेगा पर पिजड़े में बंद रह कर मांस खाना बिलकुल पसंद नहीं करेगा। क्योंकि स्वच्छंदता और स्वतंत्रता में सभी रहना चाहते हैं। **2**

उ.1.	**ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **उत्तर लिखिए।**	1
	(1) अन्य देशों की उद्योग में उन्नति हो रही है।	
	(2) हमारे देश को कुशल इंजीनियरों की आवश्यकता है।	
	ii) **उचित पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**	1
	(1) कैलाश ने **डाक्टर** बनना पसंद किया।	
	(2) मोहन **चायदानी** उनसे लेकर स्वयं यह काम करता है।	
2)	i) **सही शब्द तैयार कीजिए।**	1
	(1) नी दा चा य = चायदानी	
	(2) व त हा क = कहावत	
	ii) **निम्न शब्दों के वचन परिवर्तित कीजिए ।**	1
	(1) डाक्टर - डाक्टरों	
	(2) भाइयों - भाई	
3)	लोग कहते हैं डाक्टर भगवान का रूप होता है। जी हाँ, जिस तरह ईश्वर प्राणियों का पालन-पोषण करता है, उसी तरह डाक्टर भी बीमार लोगों की देख-रेख करता है। डाक्टर हमारे समाज का सबसे बड़ा सेवक होता है। डाक्टर अपने मरीजों के साथ भेद-भाव नहीं करता है। वह छोटे-बड़े, अमीर-गरीब की एक समान सेवा करता है। वह अपनी फीस से ज्यादा मरीज के दुख-दर्द की चिंता करता है। लालच में पड़कर मरीजों की उपेक्षा नहीं करता है। डाक्टरों के दवाखाना से जब कराहता हुआ मरीज हँसता-मुस्कुराता अपने घर वापस लौटता है तो वह डाक्टर को भगवान का ही रूप मानता है।	2
	विभाग 2 - पद्य	
उ.2.	**(च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	i) **पद्यांश के आधार पर उत्तर लिखिए।**	1
	(1) जिनपर गुरु कृपा हो।	
	(2) जैसे पानी में पानी मिल जाता है।	
	ii) **पद्यांश के आधार पर उत्तर लिखिए।**	1
	(1) सच्चे भक्त के शरीर में ईश्वर का निवास होता है।	
	(2) गुरु कृपा से ही ईश्वर की प्राप्ति संभव है।	

2) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

i) नियारो → अलग

ii) जुगुत → उपाय

3) ईश्वर प्राप्ति का मार्ग बहुत कठिन है। उसको पाने के लिए मनुष्य को बहुत त्याग करना पड़ता है। सुख और दुख दोनों अवस्था में एक समान रहना पड़ता है। वह काम, क्रोध, लोभ से दूर रहता है। उसे हर्ष, शोक, मान, अपमान का कोई फर्क नहीं पड़ता। वह सारे दुगुणों को त्याग कर ईश्वर भक्ति में लीन रहता है। ऐसे व्यक्ति को ईश्वर की प्राप्ति होती है। **2**

उ.2. (छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) उत्तर लिखिए।

i) (1) बंसी की धुन जैसी। (2) मीठी तान से भरी **1**

ii) (1) कीड़े खाना। (2) मीठी बोली। **1**

2) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

i) मधुर → मीठा

ii) मुरली → वंशी

3) फसलों को कीड़ों से बचाने के लिए किसान समय-समय पर कई तरह की कीटकनाशक दवाइयों का प्रयोग करते हैं। इन जहरीली दवाओं के प्रयोग से फसल सुरक्षित तो होती है परंतु इसका दुष्प्रभाव भी पड़ता है, जिससे मनुष्य तरह-तरह की बीमारियों का शिकार हो जाता है। इस प्रकार फसलों में कीटकनाशक का प्रयोग हानिकारक होता है। **2**

विभाग - 3 - व्याकरण

उ.3. पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए । **1**

(i) अद्‌वितीय

(ii) अँगूठी

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

के नीचे - वृक्ष के नीचे बड़ी छाया है ।

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

सामान्य भूतकाल

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**

मैं सेना में भरती हो गया हूँ ।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

मॉनिटर की बात सुनकर मुंशी जी के **प्राण सूख गए** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

खून खौलना - क्रोधित होना ।

वाक्य : नेताजी के झूठे वादे सुनकर जनता का **खून खौलने लगा ।**

विभाग - 4 - रचना

उ.4. 1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए । **4**

सौरभ तिवारी
गीता भवन,
राजीव मार्ग,
पूना ।
दिनांक - 4 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्या मंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

विषय : शिक्षक की नौकरी के लिए प्रार्थना पत्र ।

माननीय महोदय,

पिछले सप्ताह नवभारत टाईम्स के विज्ञापन पृष्ठ पर छपे एक विज्ञापन द्वारा मुझे ज्ञात हुआ कि आपके विद्यालय में हिंदी अध्यापक का पद खाली है। मैं उक्त पद के लिए प्रार्थी हूँ ।

मेरी योग्यता इस प्रकार है ।

१)	दसवीं परीक्षा	मार्च, 2009	(प्रथम श्रेणी)
२)	बारहवीं परीक्षा	मार्च, 2011	(प्रथम श्रेणी)
३)	बी.ए. परीक्षा	अगस्त, 2014	(द्‌वितीय श्रेणी)
४)	बी.एड.	अगस्त, 2016	(द्‌वितीय श्रेणी)

मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि पिछले अध्यापक की तुलना में मैं और अच्छा ज्ञान बच्चों को देने का प्रयत्न करुँगा । आप केवल एक बार अवसर देने का कष्ट करें ।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,
सौरभ तिवारी ।

संलग्न प्रतियाँ:

१) दसवीं प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
२) बारहवीं प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
३) बी.ए. प्रमाणपत्र एवं अंकतालिका ।
४) बी.एड. डिग्री एवं अंकतालिका ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्‌या मंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

प्रेषक,
सौरभ तिवारी,
गीता भवन,
राजीव मार्ग,
पूना ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

1. मेरा इरादा गरीबों की मदद करने का है ।
2. उसका इरादा सबको धोखा देना है ।
3. आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अच्छा होगा ।
4. जब तक वे कठिन मेहनत नहीं करेंगे, तब तक वे पास नहीं कर सकते ।

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

मैं अपने मन की बात पिताजी के सामने शालीनतापूर्वक रखूँगा । मैं उनसे कहूँगा -

आप तो जानते है कि बचपन से ही चित्रकला में मेरी रुचि रही है । यह मेरा सर्वाधिक प्रिय विषय रहा है । सभी विषयों की अपेक्षा चित्रकला में मुझे सर्वाधिक अंक मिलते रहे हैं । अंतर्विद्यालय, जिला एवं राज्य स्तर को चित्रकला स्पर्धाओं में मैंने कई पुरस्कार प्राप्त किए हैं । इससे स्पष्ट है कि जीवन में जितनी सफलता मुझे चित्रकारी के क्षेत्र में मिल सकती है, उतनी अन्य किसी क्षेत्र में नहीं । मैं जानता हूँ आप मेरे भले के लिए मुझे डाक्टर बनाना चाहते हैं । पर मेडिकल में जाने की मेरी जरा भी इच्छा नहीं है । उसमें मैं आगे नहीं बढ़ पाऊँगा । डॉक्टर बनकर धन भले कमा लिया जाए, परंतु धन ही तो जीवन में सबकुछ नहीं है । मेरी दृष्टि में अपनी रुचि या अपने शौक को सर्वोत्तम ऊँचाई पर पहुँचने में ही जीवन की सफलता है और मैं अपने इसी रुचि क्षेत्र को अर्थार्जन का माध्यम भी बनाऊँगा । कृपा करके मुझे चित्रकारी के क्षेत्र में ही अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर दीजिए । मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, मैं आपको निराश नहीं होने दूँगा ।

❖❖❖❖